बी0ए0 प्रथम वर्ष
पाठ्यक्रम–वैकल्पिक विषय
साहित्यिक हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र–प्राचीन काव्य

इस प्रश्नपत्र में अंकों का विभाजन इस प्रकार रहेगा–

3 व्याख्या – 3 X 10 = 30 अंक, 2 निबन्धात्मक प्रश्न – 2 X 20 = 40 अंक
5 लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 6 = 30 अंक, पूर्णांक : 100

पाठय–विषय :

साहित्यिक हिन्दी

मध्ययुगीन काव्य : डॉ0 सत्यनारायण सिंह
प्रकाशक–विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

(क) रस अलंकार और छन्द : रस, अलंकार और छन्द पर निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेंगे–

1. रस और उसके अवयवों का सामान्य परिचय, रसों का वर्गीकरण–लक्षण एवं उदाहरण
2. (अ) शब्दालंकार–अनुप्रास (छेक, वृत्ति, लाटा), श्लेष, वक्रोक्ति।
   (ब) अर्थालंकार–उपमा, प्रतिवस्तूपमा, अनन्वय, प्रतीप, रूपक, उल्लेख, स्मरण, भ्रांतिमान, संदेह, अपह्नुति, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति दृष्टांत, व्यतिरेक, समासोक्ति, व्याजस्तुति, विरोधाभास, विभावना असंगति, मीलित।
3. छन्द (अ) मात्रिक चौपाई, रोला, गीतिका, हरिगीतिका, वीर (अर्द्धसम), बरवै, दोहा, सोरठा।
   (ब) वर्णवृत्त–इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, भुजंगप्रयात, बसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, मदाक्रांता, शार्दूलविक्रीडित, सवैया, कवित्त।

(ख) महाकाव्य, खण्ड काव्य, मुक्तककाव्य। रस, अलंकार, छन्द से दो तथा कवियों से तीन लघु उत्तरीय प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे। लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर तीन सौ शब्दों से अधिक न हो।

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	त्रिवेणी	–	रामचन्द्र शुक्ल
2.	कबीर	–	हजारी प्रसाद द्विवेदी
3.	बिहारी वाग्विभूति	–	विश्वनाथ प्रसार मिश्र
4.	बिहारी का नया मूल्यांकन	–	बच्चन सिंह
5.	भूषण का आचार्यत्व एवं कवित्व	–	डॉ0 अवधेश कुमार सिंह
6.	काव्यांग कौमुदी	–	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

द्वितीय प्रश्न पत्र–आधुनिक गद्य साहित्य

इस प्रश्नपत्र में अंकों का विभाजन इस प्रकार रहेगा–

3 व्याख्या – 3 X 10 = 30 अंक, 2 निबन्धात्मक प्रश्न – 2 X 20 = 40 अंक
5 लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 6 = 30 अंक, पूर्णांक : 100

पाठ्यग्रंथ :

1.	निबध नवनीत (परिवर्द्धित नवीन संस्करण)	:	डॉ0 सर्वजीत राय एवं डॉ0 श्रद्धानंद, अमृत प्रकाशन, ईश्वरगंगी, वाराणसी।
2.	निर्मला (उपन्यास)	:	प्रेमचन्द
3.	अलग–अलग वैतरणी (उपन्यास)	:	डॉ0 शिवप्रसाद सिंह
4.	ध्रुवस्वामिनी (नाटक)	:	जयशंकर प्रसाद
5.	गद्य रूप (सामान्य सैद्धान्तिक परिचय)	:	निबन्ध, नाटक, उपन्यास, कहानी।

(विविध गद्य रूपों से दो तथा पाठ्यक्रम से तीन लघु उत्तरीय प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे। लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर तीन सौ शब्दों से अधिक न हो।)

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	हिन्दी उपन्यास	–	डॉ0 शिवनारायण लाल
2.	हिन्दी गद्य शैली का विकास	–	डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
3.	हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद	–	डॉ0 त्रिभुवन सिंह

4.	हिन्दी उपन्यास शिल्प और प्रयोग	–	डॉ0 त्रिभुवन सिंह
5.	आधुनिक साहित्य निबन्ध	–	डॉ0 त्रिभुवन सिंह
6.	हिन्दी नाटक : उद्‌भव एवं विकास	–	दशरथ ओझा
7.	हिन्दी नाटक	–	डॉ0 बच्चन सिंह
8.	प्रेमचन्द	–	रामविलास शर्मा
9.	काव्य के रूप	–	गुलाब राय

बी0ए0 द्वितीय वर्ष
साहित्यिक हिन्दी
प्रथम प्रश्न पत्र–आधुनिक काव्य

इस प्रश्नपत्र में अंकों का विभाजन इस प्रकार रहेगा–

3 व्याख्या – 3 X 10 = 30 अंक, 2 निबन्धात्मक प्रश्न – 2 X 20 = 40 अंक

5 लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 6 = 30 अंक, पूर्णांक : 100

पाठ्यग्रंथ :

1.	आधुनिक हिन्दी काव्य	–	सम्पादक : डॉ0 अवधेश कुमार सिंह, डॉ0 शिवकुमार मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	कमलाकान्त पाठक	–	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य
2.	रामेश्वर लाल खण्डेलवाल	–	जयशंकर प्रसाद : वस्तु और काव्य
3.	डॉ0 राम विलास शर्मा	–	निराला
4.	डॉ0 नगेन्द्र	–	सुमित्रानन्दन पंत
5.	डॉ0 प्रेमशंकर	–	स्वच्छन्दतावादी काव्य
6.	डॉ0 नामवर सिंह	–	आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
7.	डॉ0 युगेश्वर	–	प्रसाद काव्य का नया मूल्यांकन
8.	डॉ0 शम्भूनाथ सिंह	–	छायावाद युग

द्वितीय प्रश्न पत्र–हिन्दी साहित्य का इतिहास

इस प्रश्नपत्र में अंकों का विभाजन इस प्रकार रहेगा–

3 व्याख्या – 3 X 10 = 30 अंक, 2 निबन्धात्मक प्रश्न – 2 X 20 = 40 अंक

5 लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 6 = 30 अंक, पूर्णांक : 100

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन, सीमा और नामकरण (प्रमुख विद्वानों के मत)।
2. आदिकाल की प्रमुख रचनाएँ और प्रवृत्तियाँ।
3. भक्ति आन्दोलन के कारण तथा भक्ति का उदभव और विकास।
4. भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराओं की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
5. भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।
6. रीतिकाल का नामकरण, विभिन्न धाराएँ तथा प्रवृत्तियाँ।
7. श्रृंगारेतर काव्य प्रवृत्तियाँ–नीति काव्य, भक्ति काव्य तथा वीर काव्य की प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय।
8. आधुनिक काल (कविता)–(क) भारतेन्दुयुगीन काव्य प्रवृत्तियाँ (ख) द्विवेदीयुगीन काव्य और उसकी प्रवृत्तियाँ, (ग) छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा नयी कविता : स्वरूप और प्रवृत्तियाँ।
9. आधुनिक हिन्दी (गद्य) की विभिन्न विधाओं (निबन्ध, नाटक, एकांकी, कहानी, उपन्यास, आलोचना) का विकासात्मक परिचय।

सहायक ग्रंथ :

1.	पं0 रामचन्द्र शुक्ल	–	हिन्दी साहित्य का इतिहास
2.	डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय	–	हिन्दी साहित्य का इतिहास
3.	डॉ0 रामकुमार वर्मा	–	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
4.	डॉ0 वासुदेव सिंह	–	हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास
5.	डॉ0 त्रिभुवन सिंह	–	हिन्दी साहित्य : एक परिचय

6.	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी	–	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास
7.	डॉ0 रामचन्द्र तिवारी	–	हिन्दी का गद्य साहित्य
8.	डॉ0 बच्चन सिंह	–	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास।

बी0ए0 तृतीय वर्ष
हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र–साहित्य सिद्धान्त और आलोचना

अंक–विभाजन : 4 निबन्धात्मक प्रश्न – 4 X 20 = 80 अंक (तीन प्रश्न साहित्य–सिद्धान्त तथा एक प्रश्न हिन्दी–आलोचना से करना अनिवार्य होगा।) 4 लघुउत्तरीय प्रश्न – 4 X 5 = 20 अंक, पूर्णांक : 100

प्रथम खण्ड

1. भारतीय साहित्य सिद्धान्त
   - (क) काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन
   - (ख) शब्द–शक्ति–अभिधा, लक्षणा तथा व्यंजना का लक्षण–उदाहरण सहित सामान्य परिचय।
   - (ग) काव्य–गुण–माधुर्य, ओज तथा प्रसाद।
   - (घ) काव्य–दोष–श्रुतिकटु, च्युतसंस्कृति, क्लिष्ट, ग्राम्य, न्यूनपद, अधिकपद, दुष्क्रम, स्वशब्द, वाच्य, पुनरूक्ति तथा अश्लील।
   - (ङ) रस, अलंकार तथा ध्वनि सम्प्रदाय का सामान्य परिचय।
2. पाश्चात्य साहित्य–सिद्धान्त–
   - (अ) प्लेटो की काव्य सम्बन्धी मान्यता।
   - (ब) अरस्तू का अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त।
   - (स) मार्क्सवादी समीक्षा पद्धति।
   - (द) शास्त्रवाद और स्वच्छन्दतावाद।

सहायक ग्रंथ :

1.	भारतीय साहित्य शास्त्रकोश	–	डॉ0 राजवंश सहाय, हीरा
2.	भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका	–	डॉ0 नगेन्द्र
3.	भारतीय काव्यशास्त्र की नयी व्याख्या	–	डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी
4.	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त	–	डॉ0 जगदीश प्रसाद मिश्र
5.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	–	डॉ0 रामपूजन तिवारी

द्वितीय खण्ड
हिन्दी आलोचना

1. आलोचना : स्वरूप एवं प्रकार।
2. आलोचक के प्रमुख गुण।
3. हिन्दी के प्रमुख आलोचकगण
   - (क) आचार्य पं0 रामचन्द्र शुक्ल।
   - (ख) आचार्य पं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी।
   - (ग) पं0 नन्ददुलारे वाजपेयी।
   - (घ) डॉ0 रामविलास शर्मा।

सहायक ग्रंथ :

1.	आलोचक और आलोचना	–	डॉ0 बच्चन सिंह
2.	रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना	–	डॉ0 रामविलास शर्मा
3.	हिन्दी प्रत्यालोचना का उदभव और विकास	–	डॉ0 रामस्वारथ ठाकुर
4.	हिन्दी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ	–	डॉ0 रामदरश मिश्र
5.	हिन्दी में ऐतिहासिक आलोचना (विकास और परम्परा)	–	डॉ0 विजया त्रिपाठी
6.	समीक्षा के मानदण्ड और हिन्दी समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ–		डॉ0 प्रताप नारायण टण्डन
7.	हिन्दी आलोचना की आधुनिक प्रवृत्तियाँ और उन पर पाश्चात्य प्रभाव –डॉ0 शंकर लाल गुप्ता		
8.	शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना (नव्य हिन्दी समीक्षा)	–	डॉ0 कृष्णवल्लभ जोशी

9.	शुक्लोत्तर काव्य–चिन्तन	–	डॉ0 श्यामबिहारी राय
10.	शुक्लपूर्व आधुनिक हिन्दी आलोचना	–	डॉ0 मंगला प्रसाद सिंह
11.	आधुनिक हिन्दी आलोचना	–	डॉ0 मक्खनलाल शर्मा
12.	आधुनिक हिन्दी साहित्य में आलोचना का विकास	–	डॉ0 वेंकट शर्मा
13.	आधुनिक हिन्दी साहित्य में आलोचना का विकास	–	डॉ0 रामकिशोर कक्कड़
14.	आधुनिक हिदी आलोचना	–	डॉ0 हरिमोहन मिश्र
15.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के साहित्य सिद्धान्त	–	डॉ0 रामकृपाल पाण्डेय
16.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के समीक्षा सिद्धान्त	–	डॉ0 रामलाल सिंह
17.	नगेन्द्र की सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक समीक्षा	–	एस0 लक्ष्मी
18.	पं0 महावीर प्रसाद द्विवेदी का समीक्षा साहित्य	–	रामशंकर शर्मा

द्वितीय प्रश्न–पत्र
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

अंक–विभाजन :पूर्णांक : 100, 4 निबन्धात्मक प्रश्न – 4 X 20 = 80 अंक
4 लघुत्तरीय प्रश्न – 4 X 5 = 20 अंक,

पाठ्य–विषय :

1. भाषा विज्ञान : सामान्य परिचय (क) भाषा विज्ञान के अंग, (ख) विषय–क्षेत्र, (ग) अध्ययन की पद्धतियाँ।
2. भाषा : (क) भाषा का स्वरूप, (ख) भाषा की उत्पत्ति, (ग) भाषा की प्रवृत्ति एवं विशेषताएँ, (घ) भाषा, विभाषा और बोली।
3. ध्वनि विज्ञान : (क) हिन्दी ध्वनियों का सामान्य परिचय, (ख) ध्वनि–परिवर्तन की दिशाएँ।
4. रूप विज्ञान : अर्थतत्व तथा सम्बन्धतत्व का परिचय, प्रकार और संयोग।
5. अर्थविज्ञान : सामान्य परिचय : (क) अर्थ का तात्पर्य और महत्त्व, (ख) शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, (ग) अर्थ–परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण।
6. भारतीय आर्य भाषा परिवार : प्राचीन मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय आर्यभाषा का सामान्य परिचय।
7. हिन्दी : (क) हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति, (ख) हिन्दी का क्षेत्र–विस्तार, (ग) हिन्दी भाषा का विकास (सामान्य परिचय)।
8. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ : खड़ी बोली, ब्रज, अवधी तथा भोजपुरी का सामान्य परिचय।
9. हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्कभाषा।
10. हिन्दी–शब्द–भण्डार : तत्सम, तदभव, देशज तथा आगत शब्द।
11. देवनागरी लिपि : (क) उद्‌भव और विकास, (ख) गुण–दोष, (ग) सुधार के प्रयत्न।

सहायक ग्रंथ :

1.	भाषा विज्ञान	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
2.	हिन्दी भाषा	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
3.	भाषा विज्ञान की भूमिका	–	डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
4.	भाषाशास्त्र की रूपरेखा	–	डॉ0 उदयनारायण तिवारी
5.	हिन्दी भाषा और नागरी लिपि	–	डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
6.	सामान्य भाषा विज्ञान	–	डॉ0 बाबूराम सक्सेना
7.	भाषा विज्ञान	–	डॉ0 कर्ण सिंह
8.	भाषा विज्ञान व हिन्दी भाषा की भूमिका	–	डॉ0 त्रिलोचन पाण्डेय

तृतीय प्रश्न–पत्र
उपन्यास, कहानी, एकांकी तथा अन्य लघु गद्य विद्याएँ

अंक विभाजन –3 व्याख्या – 3 X 10 = 30 अंक, 2 निबन्धात्मक प्रश्न – 2 X 20 = 40 अंक
5 लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 X 6 = 30 अंक, पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1.	लोक ऋण (उपन्यास)	–	विवेकी राय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।
2.	हिन्दी कहानी	–	सं0 डॉ0 उर्मिला मिश्र, वैभव–लक्ष्मी प्रकाशन, वाराणसी।
3.	एकांकी धारा	–	सं0 डॉ0 लक्ष्मीशंकर गुप्त, अमृत प्रकाशन, वाराणसी।
4.	विविधा (नवीन संस्करण)	–	डॉ0 श्रद्धानन्द, अमृत प्रकाशन, वाराणसी।

सहायक ग्रंथ :

1.	नयी कहानी की भूमिका	–	कमलेश्वर
2.	नयी कहानी : संदर्भ और प्रवृत्ति	–	देवीशंकर अवस्थी
3.	हिन्दी कहानी	–	राजेन्द्र यादव
4.	हिन्दी रेखाचित्र	–	माखन लाल शर्मा
5.	हिन्दी जीवनी साहित्य : स्वरूप और विकास	–	भगवानदास महाजन
6.	हिन्दी में आत्मकथा साहित्य	–	एन0डी0 वर्मा
7.	हिन्दी का संस्मरण साहित्य	–	के0एस0 सहाय
8.	हिन्दी साहित्य में आत्मकथा	–	सरोज जोगी
9.	यात्रा साहित्य का उद्‌भव और विकास	–	एस0एम0 माथुर

पाठ्यक्रम–व्यावहारिक हिन्दी
बी0ए0 प्रथम

प्रत्येक प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है–लिखित एवं प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य। प्रत्येक प्रश्नपत्र में लिखित परीक्षा 75 अंक तथा प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य तथा मौखिकी 25 अंक के होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र–राजभाषा हिन्दी : स्वरूप और नीति

पूर्णांक–75 अंक

(क) हिन्दी का स्वरूप एवं क्षेत्र–विस्तार, हिन्दी की व्युत्पत्ति, उदभव एवं विकास, क्षेत्र, हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ–खड़ी बोली, ब्रज, अवधी, भोजपुरी। (2X15=30 अंक)

(ख) राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा एवं राजभाषा का स्वरूपगत सामान्य परिचय। (1X15=15 अंक)

(ग) भारत सरकार की राजभाषा नीति–हिन्दी को लागू किये जाने की संवैधानिक व्यवस्था–अनुच्छेद 343 से 351 तक, राजभाषा अधिनियम 1963 तथा उसके पश्चात् बनाये गये नियम, राष्ट्रपति के आदेश 1960, 1968 का राजभाषा सम्बन्धी प्रस्ताव, हिन्दी प्रशिक्षण प्रोत्साहन–राजभाषा क्रियान्वयन समिति द्वारा निर्धारित वार्षिक एवं समयबद्ध कार्यक्रम (गृह मंत्रालय द्वारा विनिश्चित)।

(2X15=30 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1.	हिन्दी भाषा का विकास	–	धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
2.	हिन्दी भाषा	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी, प्र0 किताब महल, इलाहाबाद।
3.	सरकारी कामकाज में हिन्दी	–	रामविनायक सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, पिशाचमोचन, वाराणसी।
4.	हिन्दी हम सबकी	–	शिवसागर मिश्र, प्रभात प्रकाशन, चावड़ी, बाजार, नयी दिल्ली।
5.	सम्पर्क भाषा	–	सं0 भोलानाथ तिवारी, कमल सिंह, प्रभात प्रकाशन, चावड़ी बाजार, दिल्ली–6.
6.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	–	रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।
7.	राजभाषा हिन्दी	–	डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
8.	सामाजिक प्रशासनिक कार्य–विधि	–	गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामयिक प्रकाशन, 3543, जखाड़ा, दरियागंज, नई दिल्ली।
9.	हिन्दी : उदभव–विकास	–	डॉ0 हरदेव बाहरी

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य

अंक–25

छात्र राष्ट्रीयकृत बैंकों, सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों और कम्पनियों में से किसी एक संस्था द्वारा हिन्दी के प्रयोग की स्थिति एवं आवश्यकताओं पर आलेख प्रस्तुत करेंगे। संदर्भित आलेख पर मौखिकी होगी।

द्वितीय प्रश्नपत्र–व्यावहारिक एवं संवादात्मक हिन्दी

पूर्णांक–75 अंक (5X15=75 अंक)

हिन्दी भाषा का स्वरूप–अंग्रेजी की तुलना में हिन्दी के वाक्य रचना सम्बन्धी नियम–प्रयोग, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग एवं परसर्ग ('ने' तथा अन्य परसर्गों के विशेष सन्दर्भ में), स्वर विज्ञान–अक्षर, हिन्दी संवाद में अनुदान, बलाघात एवं लय। विभिन्न स्थितियों में हिन्दी संवाद।

सहायक ग्रंथ :

1.	हिन्दी भाषा	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
2.	भाषा विज्ञान	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
3.	भाषा की रूपरेखा	–	डॉ0 उदयनारायण तिवारी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
4.	मानक हिन्दी का प्रारूप	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
5.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	–	डॉ0 दंगल झाल्टे, विद्या विहार, दरियागंज, नई दिल्ली।
6.	हिन्दी व्याकरण की सरल पद्धति	–	डॉ0 बदरीनाथ कपूर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7.	ध्वनि विज्ञान	–	डॉ0 गोलोक बिहारी धल, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना।
8.	व्यावहारिक हिन्दी शुद्ध प्रयोग	–	डॉ0 ओमप्रकाश, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
9.	शब्द परिवार कोश	–	डॉ0 बदरीनाथ कपूर, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य **अंक–25**

1. शिक्षण कक्ष में वाक्य रचना, वर्तनी तथा सामान्य त्रुटियों के संशोधन की व्यावहारिक परीक्षा होगी। अंक–10.
2. विभिन्न निर्धारित स्थानों में से किसी एक स्थान पर जाकर हिन्दी की संवादात्मक स्थिति का अध्ययन कर छात्र प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे तथा उनकी तद्विषयक मौखिकी सम्पन्न होगी। अंक–15.

पाठ्यक्रम–व्यावहारिक हिन्दी
बी0ए0 द्वितीय वर्ष

प्रत्येक प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है–लिखित एवं प्रायोगिक निर्दिट कार्य। प्रत्येक प्रश्नपत्र में लिखित परीक्षा 75 अंक तथा प्रयोगिक निर्दिष्ट कार्य तथा मौखिकी 25 अंक के होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र–अनुवाद एवं टिप्पण प्रारूपण

पूर्णांक–75 अंक

(क) अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली और वाक्यांश (फेज) (2X15=30 अंक)

अनुवाद–अवधारणा, स्वरूप, प्रकार (पूर्ण अनुवाद एवं सार अनुवाद), क्षेत्र, ओ0एल0एक्ट (सामान्य आदेश) के धारा–3 के अन्तर्गत आने वाले दस्तावेजों का द्विभाषीकरण, शासकीय पत्रों का अनुवाद, स्मृतिपत्र प्राप्ति की सूचना–प्रतिवेदन, कार्य–सूची, कार्यवृत्त–बैठकों की कार्यवाही।

मंत्रालयों, उद्यमों, बैंकों, निगमों और कम्पनियों, अधिकारियों, रेलवे, विमान सेवा, विधिक आदि क्षेत्रों में सामान्यतः प्रयुक्त शब्दों का अध्ययन तथा उनके प्रयोग, शब्दों तथा वाक्यों की रचना के नियम।

(ख) टिप्पण प्रारूपण (3X15=45 अंक)

टिप्पण में प्रयुक्त भाषा और शैली, क्रेस हिस्ट्री, संदर्भों के संदर्भ, केस की तैयारी, निष्कर्ष पर पहुंचना और क्रियान्वयन के लिए प्रस्ताव, टिप्पणी की विशेषताएँ और उनके लिए आवश्यक औपचारिकताएँ।

प्रारूपण के प्रकार, प्रारूपण में प्रयुक्त होने वाली भाषा–शैली, विभिन्न कार्यालयों (मुख्यालयों, क्षेत्रीय कार्यालय आदि) एवं सरकारी अधिकारियों (कनिष्ठ–वरिष्ठ) को सम्बोधित करते समय की जाने वाली औपचारिकताएँ।

पत्रावली एवं दस्तावेज के रखने की पद्धति।

सहायक ग्रंथ :

1.	अनुवाद कला : सिद्धान्त और प्रयोग	–	डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला, प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।
2.	अनुवाद : भाषाएँ–समस्याएँ	–	एन0ई0 विश्वनाथ अय्यर, ज्ञानगंगा, दिल्ली।
3.	अनुवाद : सिद्धान्त की रूपरेखा	–	डॉ0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, वाराणसी।
4.	प्रालेखन प्रारूप	–	शिवनारायण चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5.	हिन्दी में सरकारी कामकाज	–	रामविनायक सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

6.	प्रशासनिक हिन्दी प्रारूपण और पत्र लेखन	–	डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
7.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	–	डॉ0 दंगल झाल्टे, विद्या विहार, दरियागंज, नई दिल्ली।
8.	हिन्दी भाषा	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
9.	अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त और प्रायोगिक संदर्भ	–	डॉ0 राजमणि शर्मा, संजय बुक सेण्टर, गोलघर, वाराणसी।
10.	प्रामाणिक आलेखन एवं टिप्पणी	–	प्रो0 विराज, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य **अंक–25**

1. पाठ्यक्रम के अनुरूप शिक्षण कक्ष में छात्रों को अनुवाद का कार्य दिया जायेगा जिसका मूल्यांकन 5 अंकों में होगा।
2. छात्रों को अध्यापक द्वारा सुनिश्चित किये गये किसी एक क्षेत्र से सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दावली तैयार करना जिसका मूल्यांकन 10 अंकों में होगा।
3. छात्रों को अध्यापक द्वारा शिक्षण कक्ष में टिप्पण एवं प्रारूपण कार्य की सामग्री प्रदान कर मूल्यांकन किया जायेगा जिसका मूल्यांकन 10 अंकों में होगा।

द्वितीय प्रश्नपत्र–शासकीय एवं व्यावसायिक पत्राचार

पूर्णांक–75 अंक

(क) पत्राचार के प्रकार–मूल पत्र, जवाबी पत्र, पत्र प्राप्ति की सूचना, स्मृति पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, ज्ञापन पत्र, परिपत्र, आदेश पत्र, पृष्ठांकन एवं अन्तर्विभागीय टिप्पणी, मानक प्रारूप, निविदा एवं सूचनाएँ, पद रिक्ति, विज्ञापन, प्रेस विज्ञाप्ति एवं रिपोर्ट। (2X15=30 अंक)

(ख) वाणिज्य एवं व्यवसाय सम्बन्धी पत्राचार का स्वरूप, शासकीय, वाणिज्यिक एवं व्यावसायिक पत्राचार में अन्तर, आदेश, कोटेशन, बीजक, बिल, रसीद सम्बन्धी पत्र, आदेश देने, संज्ञापन और भुगतान, शिकायत निवारण, दावा सम्बन्धी निपटारे के पत्र, बैंकों के कार्य संबंधी सम्पादन के पत्र, बीमा सम्बन्धी पत्र, वाणिज्य एवं व्यावसायिक पत्रों की शब्दावली। (2X15=30 अंक)

(ग) विज्ञापन कला एवं विज्ञापन लेखन क्षेत्र का महत्व, अभिव्यक्ति को प्रभावी बनाने वाले उपयुक्त विशेषण और भाषा, सफल विज्ञापन लेखक के गुण। (1X15=15अंक)

सहायक ग्रंथ :

1.	हिन्दी में सरकारी कामकाज	–	रामविनायक सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
2.	बैंकों में हिन्दी प्रचार	–	डॉ0 दंगल झाल्टे, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
3.	हिन्दी हम सबकी	–	शिवसागर मिश्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
4.	राजभाषा हिन्दी अंग्रेजी शब्द–कोश	–	डॉ0 नारायण दत्त पालिवाल, तक्षशिलां प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।
5.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	–	रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6.	बृहद परिभाषिक शब्दावली खण्ड–1,2–		वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (शिक्षा एवं संस्कृति मंत्रालय), भारत सरकार।
7.	वाणिज्य शब्दावली	–	वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (शिक्षा एवं संस्कृति मंत्रालय), भारत सरकार।
8.	व्यावसायिक हिन्दी	–	डॉ0 दिलीप सिंह, संजय बुक सेण्टर, गोलघर, वाराणसी।
9.	व्यावसायिक सम्प्रेषण	–	अनूपचन्द पु0 माखाणी, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली–6.

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य **अंक–25**

निर्धारित विषय पर छात्र निविदा, प्रेस विज्ञप्ति, शासकीय पत्र, व्यावसायिक पत्र तथा विज्ञापन की सामग्री तैयार करेंगे। प्रत्येक का मूल्यांकन पाँच–पाँच अंकों में होगा।

पाठ्यक्रम–व्यावहारिक हिन्दी
बी0ए0–तृतीय वर्ष

कुल तीन प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है–लिखित एवं प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य। प्रत्येक प्रश्नपत्र में लिखित परीक्षा 75 अंक तथा प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य 25 अंक के होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र–आधुनिक संचार–माध्यम का सामान्य परिचय

कुल पाँच प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 15–15 अंक के होंगे।

1. संचार की अवधारणा एवं प्रक्रिया, संचार का महत्व एवं प्रकार, आधुनिक संचार–माध्यम के प्रकार।
2. प्रेस विज्ञप्ति, प्रेस प्रकाशनी एवं प्रेस नोट का स्वरूप एवं प्रकार, प्रेस विज्ञप्ति एवं प्रेस प्रकाशनी में अन्तर।
3. प्रेस रिपोर्ट का स्वरूप, उत्तम प्रेस रिपोर्ट के गुण, प्रेस रिपोर्ट के स्रोत एवं प्रकार, प्रेस सम्बन्धित वैधानिक प्रावधान (कापी राइट, मानहानि)।
4. समाचार का स्वरूप एवं संरचना : आमुख, शीर्षक एवं शेष रचना, समाचार लेखन के गुण एवं बरती जाने वाली सावधानियाँ।
5. रेडियो, टेलीविजन एवं फिल्म का भारत में विकास एवं महत्व।

सहायक ग्रंथ :

1.	जनमाध्यम : सम्प्रेषण एवं विकास	–	देवेन्द्र इस्सर, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, कृष्णनगर, नई दिल्ली।
2.	दृश्य–श्रव्य सम्प्रेषण और पत्रकारिता	–	डॉ0 जेम्स एस0 मूर्ति, भारतीय भाषापीठ, नई दिल्ली।
3.	पत्रकारिता के विविध संदर्भ	–	डॉ0 वंशीधरलाल, अनुपम प्रकाशन, पटना।
4.	समाचार संकलन और लेखन	–	नन्दकिशोर त्रिखा, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
5.	प्रेस विधि	–	नन्दकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य

शिक्षण कक्ष में प्रेस विज्ञप्ति, प्रेस प्रकाशनी का निर्माण, समाचार तैयार करना, समाचार पढ़ने का अभ्यास, मौखिकी।

द्वितीय प्रश्नपत्र–द्विभाषिया–प्रविधि, पारिभाषिक शब्दावली एवं उद्यमिता विकास

प्रश्नपत्र तीन इकाइयों में होंगे। प्रथम इकाई से 15–15 अंक के दो प्रश्न, द्वितीय इकाई से 15 अंक का एक प्रश्न तथा तृतीय इकाई से 15–15 अंक के दो प्रश्न करने होंगे।

इकाई–प्रथम

द्विभाषिया प्रविधि–अवधारणा, क्षेत्र, महत्व। दुभाषिया के गुण और दायित्व। दुभाषिया एवं अनुवादक में अन्तर। संक्षेपण और स्पष्टीकरण। तत्काल अनुवाद। सम्पादन। बैठकों, परिचर्चाओं की दुभाषिया प्रविधि। वक्तव्य सार और व्याख्यानों का संक्षेप।

इकाई–द्वितीय

पारिभाषिक शब्दावली–परिभाषिक शब्द से अभिप्राय, पारिभाषिक शब्द का महत्व एवं भेद। पारिभाषिक शब्द के लिए अपेक्षित गुण।

इकाई–तृतीय

उद्यमी की परिभाषा, उद्यमी के आवश्यक गुण, उद्यमी के कार्य, उद्यमी का महत्व। उद्यमिता के प्रकार, उद्यमिता का क्षेत्र, उद्यमिता के कार्य, उद्यमिता का महत्व, उद्यमिता विकास कार्यक्रम की आवश्यकता, उद्यमिता विकास कार्यक्रम का उद्देश्य।

सहायक ग्रंथ :

1.	अनुवाद विज्ञान	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, नई दिल्ली।
2.	अनुवादः सिद्धान्त और प्रयोग	–	जी0 गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3.	अनुवाद विज्ञान	–	डॉ0 राजमणि शर्मा, संजय बुक सेण्टर, गोलघर, वाराणसी।
4.	उद्यमिता विकास	–	डॉ0 राकेशचन्द्र शर्मा, डॉ माता बदल शुक्ल, गंगासरन एण्ड संस, वाराणसी।

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य

शिक्षण कक्ष में अनुवाद सम्बन्धी कार्य, पारिभाषिक शब्दावली का चयन, मौखिकी।

तृतीय प्रश्नपत्र–टंकण, सूचना संजाल एवं कम्प्यूटर का सामान्य परिचय

प्रश्नपत्र तीन इकाइयों में होंगे। प्रथम इकाई से 15–15 अंक के दो प्रश्न, द्वितीय इकाई से 15 अंक का एक प्रश्न तथा तृतीय इकाई से 15–15 अंक के दो प्रश्न करने होंगे।

इकाई–प्रथम

टंकण कल (टाइपराइटर का इतिहास), टंकण कल की देखभाल–टंकण कार्य करने के पूर्व एवं पश्चात, टंकण विधियाँ–दृश टंकण विधि एवं स्पर्श टंकण विधि, कुछ महत्वपूर्ण अनुदेश–अन्तर (स्पेस) छोड़ना, हाशिया छोड़ना, शीर्षक टाइप करना, स्टैंसिल काटना, अशुद्धियाँ सुधारना, टंकण करते समय की जाने वाली सावधानियाँ, टंकण का महत्त्व।

इकाई–द्वितीय

सूचना संजाल–सूचना संजाल–परिभाषा एवं प्रकार, सूचना संजाल माध्यम–टेलेक्स, वायरलेस, माइक्रोवेव, फैक्स, ई–मेल, महत्त्वपूर्ण सूचना संजालों का संक्षिप्त परिचय–NET, ERNET, NICNET INTERNET.

इकाई–तृतीय

कम्प्यूटर–परिचय, इतिहास, विशेषता, उपयोग, क्षेत्र। कम्प्यूटर की पीढ़ियाँ, कम्प्यूटर के प्रकार, कम्प्यूटर की संरचना –वस्तुदर्शक (विजुअल डिस्प्ले यूनिट), केन्द्रीय क्रिया–कलाप केन्द्र (सेण्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट), कुंजी पटल (की बोर्ड), स्मृति के प्रकार–रोम, रैम, प्रोग्रामेबल, इरेशबल प्रोम।

संकलनकर्त्ता (कम्पाइलर) व्याख्याकारी (इण्टर प्रेटर), चुम्बकीय टेप, चुम्बकीय डिस्क, डिवेंचर डिस, फ्लापी डिस्क।

कम्प्यूटर की भाषा–निम्नस्तरीय भाषा, उच्चस्तरीय भाषा, मशीन भाषा, प्रोग्रामिंग का परिचय, कम्प्यूटर की कार्य–प्रणाली।

सहायक ग्रंथ :

1.	कम्प्यूटर प्रवेशिका	–	अरूण कुमार अग्रवाल, एस0 कृष्णमूर्ति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2.	बेसिक प्रोग्रामिंग	–	ओम प्रकाश मौर्या, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3.	टाइपराइटिंग : थ्योरी एण्ड प्रैक्टिस	–	आर0सी0 भाटिया, स्टलिंग पब्लिशर्स प्रा0लि0, नई दिल्ली।
4.	मानक टंकण कला	–	ओंकारनाथ वर्मा, उपकार प्रकाशन, आगरा।

प्रायोगिक निर्दिष्ट कार्य

शिक्षण कक्ष में टाइपराइटिंग एवं कम्प्यूटर पर अभ्यास एवं टेस्ट, मौखिकी

◆◆◆

एम0ए0 (हिन्दी) प्रथम खण्ड
प्रथम प्रश्न पत्र–आदिकालीन निर्गुण काव्य

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

3 व्याख्या–	3 X 10 = 30 अंक
2 निबन्धात्मक प्रश्न–	2 X 20 = 40 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न–	5 X 6 = 30 अंक

पाठयग्रंथ :

1. अपभ्रंश चन्द्रोदय (प्रथम कला) : डॉ0 लक्ष्मीशंकर गुप्त, प्रो0 रामजी शर्मा।
   प्रकाशन : नीलकण्ठ प्रकाशन, सकरकन्द गली, दशाश्वमेध, वाराणसी।
2. विद्यापति – वाग्वैभव : डॉ0 रामकुँवर राय।
   प्रकाशन : संजय बुक सेण्टर, गोलघर, वाराणसी।
3. कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (दोहा पद संख्या–160–209)
   प्रकाशन : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. जायसी ग्रन्थावली : (मानसरोदक खण्ड, नखशिख खण्ड, नागमती वियोग खण्ड) सं0 रामचन्द्र शुक्ल,
   प्रकाशन : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	कीर्तिलता और अवहट्ट	–	शिवप्रसाद सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
2.	हिन्दी साहित्य का आदिकाल	–	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3.	हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान–		नामवर सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
4.	त्रिवेणी	–	रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
5.	विद्यापति	–	शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6.	कबीर	–	आचार्य हजीर प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7.	जायसी	–	विजयदेव नारायण साही।

द्वितीय प्रश्न पत्र–सगुण एवं रीतिकाव्य

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

3 व्याख्या–	3 X 10 = 30 अंक
2 निबन्धात्मक प्रश्न–	2 X 20 = 40 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न–	5 X 6 = 30 अंक

पाठयग्रंथ :

1. भ्रमरगीत सार (21 से 70 पद तक), सं0 रामचन्द्र शुक्ल।
   प्रकाशन : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. रामचरितमानस (बालकाण्ड–प्रारम्भ के 43 वें दोहे तथा उत्तरकाण्ड–117–130 वें दोहे तक)
   प्रकाशन : गीता प्रेस, गोरखपुर।
3. बिहारी रत्नाकर (प्रारम्भिक 50 दोहे), सं0 जगन्नाथदास रत्नाकर।
   प्रकाशन : संजय बुक सेण्टर, गोलघर, वाराणसी।
4. घनानन्द कवित्त (1 से 50 तक), सं0पं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
   प्रकाशन : संजय बुक सेण्टर, गोलघर, वाराणसी।

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	तुलसीदास	–	रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2.	सूरदास	–	रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3.	सूरसाहित्य	–	हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्रकशन : हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, मुम्बई।
4.	तुलसी संदर्भ और दृष्टि	–	डॉ0 केशव प्रसाद सिंह एवं डॉ0 बासुदेव सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
5.	भक्ति काव्य और लोकजीवन	–	शिवकुमार मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6.	बिहारी की वाग्विभूति	–	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेण्टर, वाराणसी।
7.	बिहारी का नया मूल्यांकन	–	डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद।

तृतीय प्रश्न पत्र–आधुनिक काव्य (छायावाद)

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

3 व्याख्या– 3 X 10 = 30 अंक
2 निबन्धात्मक प्रश्न– 2 X 20 = 40 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न– 5 X 6 = 30 अंक

पाठयग्रंथ :

1. कामायनी (केवल श्रद्धा, लज्जा तथा इड़ा सर्ग) : जयशंकर प्रसाद
2. राग–विराग (सरोज स्मृति, राम की शक्ति–पूजा, कुकुरमुत्ता)
   प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. तारापथ–सुमित्रानन्दन पन्त–केवल प्रथम रश्मि का आना रंगिनी, मौन निमंत्रण, परिवर्तन (1, 6, 7, 8, 11, 31 वाँ अंश) द्रुतझरो जगत के जीर्ण पत्र, नौका विहार, ताज, बापू के प्रति, वंशी)।
   प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. दीपशिखा : महादेवी वर्मा (पंथ होने दो अपरिचित, सब बुझे दीपक जला लूँ, जब यह दीप थके तब आना, यह मन्दिर का दीपक, जो न प्रिय पहचान पाती, मोम सा तन घुल चुका, पूछता क्यों शेष कितनी रात)।
   प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. कामायनी एक पुनर्विचार – गजानन्द माधव मुक्तिबोध, प्रकाशन : राजकमल, दिल्ली।
2. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी, प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. निराला की साहित्य–साधना (भाग–तीन) –रामविलास शर्मा, प्रकाशन : राजकमल, दिल्ली।
4. कवि निराला – नन्ददुलारे वाजपेयी, वाराणसी।
5. क्रान्तिकारी कवि निराला – बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. सुमित्रानन्दन पन्त – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचन्द्र शाह, नई दिल्ली।
8. महादेवी वर्मा – जगदीश गुप्त, नई दिल्ली।
9. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

चतुर्थ प्रश्न पत्र–गद्य साहित्य

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

3 व्याख्या– 3 X 10 = 30 अंक
2 निबन्धात्मक प्रश्न– 2 X 20 = 40 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न– 5 X 6 = 30 अंक

पाठयग्रंथ :

नाटक :

1. चन्द्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद, प्र0 भारती प्रेस, लीडर प्रेस, इलाहाबाद।
2. आधे–अधूरे : मोहन राकेश, प्र0 राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

उपन्यास :

1. गोदान : प्रेमचन्द
2. शेखर एक जीवनी (भाग–एक) : अज्ञेय।

निबन्ध :

1. हिन्दी निबन्ध : डॉ0 सुरेन्द्र प्रताप, प्र0 विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

कहानी :

1. आधुनिक कहानियाँ : सं0 डॉ0 मुनीन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, नन्द किशोर ब्रदर्स, वाराणसी।
2. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास : डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
4. हिन्दी उपन्यास : शिवनारायण लाल, प्र0 सरस्वती मन्दिर, वाराणसी।
5. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद : डॉ0 त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

6. हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग : डॉ0 त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
7. हिन्दी उपन्यास साहित्य में आदर्शवाद : डॉ0 सर्वजीत राय, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. आज की कहानी : विजय मोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. कहानी और कहानी : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. आधुनिकता और मोहन राकेश : डॉ0 उर्मिला मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

पंचम प्रश्न पत्र–साहित्य सिद्धान्त

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

3 व्याख्या– 3 X 10 = 30 अंक
2 निबन्धात्मक प्रश्न– 2 X 20 = 40 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न– 5 X 6 = 30 अंक

पाठयविषय :

1. भारतीय साहित्य सिद्धान्त–

(क) काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन एवं शब्द शक्ति।
(ख) भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : परिचयात्मक पर्यवलोकन।
(ग) भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय/सिद्धान्त–

1. रस सिद्धान्त : रस सम्प्रदाय का इतिहास, रस का इतिहास, रस का स्वरूप, रस के अंग, रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।
2. अलंकार सिद्धान्त : अलंकार सम्प्रदाय का इतिहास, अलंकार की अवधारणा, मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार एवं अन्य सम्प्रदाय।
3. रीति सिद्धान्त : रीति सिद्धान्त का इतिहास, रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति एवं कला, रीतियों का भौगोलिक, प्रादेशिक आधार, रीति–भेद, स्थापनाएँ एवं मूल्यांकन।
4. ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि सम्प्रदाय का इतिहास, ध्वनि के विविध अर्थ, ध्वनि का मूल स्रोत, ध्वनि की अवधारणा।
5. वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति सिद्धान्त का इतिहास, वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, वक्रोक्ति एवं अन्य काव्य सिद्धान्त।

2. पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त :

1. प्लेटो : काव्य सिद्धान्त।
2. अरस्तू : अनुकृति, त्रासदी (ट्रेजडी–परिभाषा और उसके विविध तत्व), विरेचन सिद्धान्त, प्लेटो और अरस्तू के काव्य सिद्धान्त की तुलना।
3. लाजाइनस : काव्य के उदात्त की अवधारणा एवं उसके विविध तत्व।
4. वर्ड्सवर्थ : काव्य भाषा का सिद्धान्त।
5. कॉलरिज : कल्पना और फैंसी।
6. टी0एस0 इलियट : परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण।
7. आई0ए0 रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त, भाषा के विविध प्रयोग, सम्प्रेषण–सिद्धान्त।
8. सिद्धान्त और वाद : (क) स्वच्छन्दतावाद (रोमांटिसिज्म), (ख) शास्त्रीयतावाद, (ग) मार्क्सवादी काव्य–सिद्धान्त, (घ) मनोविश्लेषणवादी काव्य–सिद्धान्त, (ङ) बिम्बवाद और प्रतीकवाद, (च) अस्तित्ववाद, (छ) नयी समीक्षा, (ज) साहित्य का समाजशास्त्र।

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र कोश : डॉ0 राजवंश सहाय हीरा, बिहार ग्रन्थ अकादमी, पटना।
2. समीक्षा दर्शन : डॉ0 रामलाल सिंह (प्रथम एवं द्वितीय भाग), प्र0 इण्डियन प्रेस, प्रयाग।
3. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त : राजवंश सहाय हीरा, चौखम्भा प्रेस, वाराणसी।
4. काव्शास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र, प्र0 विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. रस–विमर्श : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी।
6. भारतीय काव्यशास्त्र की नयी व्याख्या : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी।
7. कविता के प्रतिमान : डॉ0 रवीन्द्र भ्रमर।
8. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र, प्र0 नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
9. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश–त्र्यम्बक देशपाण्डेय, पापुलर बुक डिपो, मुम्बई।
10. साहित्यालोचन : डॉ0 श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रेस, प्रयाग।
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : डॉ0 जगदीश प्रसाद मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
13. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ0 नगेन्द्र।
14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र–डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा।

एम0ए0 हिन्दी–द्वितीय खण्ड

एम0ए0 हिन्दी द्वितीय खण्ड परीक्षा में पाँच लिखित प्रश्न पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र तीन घण्टे की अवधि का तथा प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ प्रश्न पत्र 100 अंक और पंचम प्रश्न पत्र 75 अंक का होगा। इसके अतिरिक्त 25 अंक की मौखिक परीक्षा होगी। चतुर्थ प्रश्न–पत्र वैकल्पिक (विशेष अध्ययन) में केवल आदिकाव्य, संत काव्य, सगुणभक्ति काव्य, रीतिकाव्य, समकालीन काव्य, आधुनिक कथा साहित्य, लोक साहित्य, प्रयोजन मूलक हिन्दी, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रेमचंद, प्रसाद, निराला में से कोई एक विभागाध्यक्ष की अनुमति से ले सकते हैं।

प्रथम प्रश्न पत्र–भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

भाषा विज्ञान (2 आलोचनात्मक प्रश्न) 2 X 20 = 40 अंक

हिन्दी भाषा (2 आलोचनात्मक प्रश्न) 2 X 20 = 40 अंक

भाषा विज्ञान तथा हिन्दी भाषा दोनों से सम्बन्धित

4 लघु उत्तरीय प्रश्न 4 X 5 = 20 अंक

(क) भाषा विज्ञान :

1. **भाषा–** परिभाषा, तत्त्व, अंग, प्रकृति, विशेषताएं (संरचनागत एवं स्वभावगत), भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, भाषा और वाक्, भाषा के विभिन्न स्तर–भेद–व्यक्ति बोली, बोली, विभाषा, मानक भाषा तथा उसके विविध रूप।
2. **भाषा विज्ञान–** स्वरूप और प्रकृति, विषय–क्षेत्र, अंग, प्रमुख अध्ययन– पद्धतियाँ, वर्णनात्मक तथा तुलनात्मक, ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध।
3. **ध्वनि–विज्ञान–** ध्वनि का अर्थ, ध्वनिग्राम तथा संध्वनि, ध्वनि–गुण तथा उसकी उपयोगिता, ध्वनि की उत्पत्ति–प्रक्रिया, वाग्यन्त्र (ध्वनि तंत्र), ध्वनियों का वर्गीकरण, मानस्वर, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण, ध्वनि–नियम, स्वनिम (फोनिम)।
4. **स्वनिम विज्ञान–** स्वरूप, अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमों तथा उपस्वनों का अंकन, स्वनिम वितरण के सिद्धान्त।
5. **रूप विज्ञान–** (मारफोलॉजी) : शब्द और रूप (पद), सम्बन्ध तत्व एवं अर्थतत्व, सम्बन्ध तत्व के भेद, शब्द कोटियाँ, व्याकरणिक कोटियाँ।
6. **वाक्य विज्ञान–** वाक्य की अवधारणा, तत्व, वाक्य एवं पद का सम्बन्ध, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, वाक्य के निकटस्थ अवयव, गहन संरचना और और बाह्य संरचना, वाक्य परिवर्तन की दिशाएं और कारण।
7. **अर्थ विज्ञान–** अर्थ–ज्ञान, महत्त्व, शब्दार्थ सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण।
8. **विश्व की भाषाओं का वर्गीकरण–** (क) आकृति मूलक या रूपात्मक (ख) पारिवारिक
9. **अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान–**शैली विज्ञान।

(ख) हिन्दी भाषा :

10. **हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि–** प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएं– पालि, प्राकृत–शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण।
11. **हिन्दी का भौगोलिक विस्तार–** हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।
12. **हिन्दी का भाषिक स्वरूप :** हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था खड्य, खंड्येतर, हिन्दी शब्द रचना– उपसर्ग, प्रत्यय, समास, रूप रचना–लिंग, वचन और कारक– व्यवस्था के संदर्भ में, हिन्दी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप। हिन्दी वाक्य–रचना : पद क्रम और अन्वित।
13. **हिन्दी के विविध रूप–** सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।
14. **देवनागरी लिपि का–** विकास, गुण–दोष, मानकीकरण।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबू राम सक्सेना, हिन्दी साहित्य–सम्मेलन, प्रयाग।
2. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
3. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
4. तुलनात्मक भाषा विज्ञान : पी0डी0 गुणे, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

5. भाषा विज्ञान : डॉ0 कर्ण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ।
6. भाषाशास्त्र की रूरपेखा : डॉ0 उदयनारायण तिवारी, भारती–भण्डार इलाहाबाद।
7. भाषा विज्ञान और नागरी लिपि : डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
8. भाषा विज्ञान व हिन्दी भाषा की भूमिका : डॉ0 त्रिलोचन पाण्डेय, विश्वविद्यालय पुस्तक भण्डार, गोरखपुर।
9. भाषा विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
10. हिन्दी भाषा : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
11. एलीमेंट ऑफ साइंस आफ लैंग्वेज : आई0 जे0 सोरावगी, तारापुरवाला।
12. हिन्दी भाषा की संरचना : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. हिन्दी भाषा : डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया, साहित्य भवन, प्रा0लि0, इलाहाबाद।
14. हिन्दी भाषा : डॉ0 हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. हिन्दी संरचना का शैक्षिक स्वरूप : डॉ0 राजकमल पाण्डेय, विराट प्रकाशन, आगरा।
16. शैली विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, दिल्ली।
17. शैली विज्ञान : डॉ0 सुरेश कुमार, मैकमिलन, दिल्ली।

द्वितीय प्रश्न पत्र–छायावादोत्तर काव्य

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

3 व्याख्या 10 X 3 = 30 अंक

2 निबन्धात्मक प्रश्न 20 X 2 = 40 अंक

5 लघु उत्तरीय प्रश्न 5 X 6 = 30 अंक

1. उर्वशी (केवल तृतीय अंक) : रामधानी सिंह 'दिनकर'
2. छायावादोत्तर प्रतिनिधि कवि और उनकी कविताएं :
   सं0 डॉ0 शम्भुनाथ त्रिपाठी प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक, वाराणसी।
   (क) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
   (ख) गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
   (ग) नागार्जुन
   (घ) त्रिलोचन
   (ङ) शमशेर बहादुर सिंह
   (च) रघुवीर सहाय

संदर्भ ग्रन्थ :

1. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : डॉ0 रामकमल राय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. अज्ञेय : प्रो0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ0 कृष्णा भावुक, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
4. अज्ञेय और आधुनिक कविता की समस्याएँ : प्रो0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
5. मुक्तिबोध : विचारक, कवि, कथाकार, डॉ0 सुरेन्द्र प्रताप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. मुक्तिबोध : प्रतिबद्ध काव्य कला के प्रतीक : चंचल चौहान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
7. मुक्ति बोध की काव्य–प्रक्रिया : अशोक चक्रधर, मैकमिलन, दिल्ली।
8. नयी कविता और अस्तित्ववाद : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. कविता के नये प्रतिमान : डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. आधुनिक हिन्दी कविता : सं0 जगदीश चतुर्वेदी, मैकमिलन, दिल्ली।
11. नागार्जुन की काव्य यात्रा : डॉ0 रतन कुमार पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
12. नई कविता का आत्म संघर्ष तथ अन्य निबन्ध : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. हिन्दी साहित्य का आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली,।
14. नयी कविता के प्रतिमान–लक्ष्मीकान्त वर्मा, भारतीय प्रेस प्रा0लि0, इलाहाबाद।
15. आधुनिक कविता की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नामवर सिंह।

तृतीय प्रश्न पत्र–हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं निबन्ध

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

हिन्दी साहित्य के इतिहास से तीन निबन्धात्मक प्रश्न 3 X 20 = 60 अंक

साहित्यिक निबन्ध एक 1 X 40 = 40 अंक

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास :

क) इतिहास और इतिहास दर्शन।

ख) हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं।

ग) हिन्दी साहित्य का इतिहास–काल–विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण।

घ) हिन्दी साहित्य– आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ–साहित्य, रासो–काव्य, जैन–साहित्य।

ङ) हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, काल–सीमा, नामकरण, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकार।

च) भक्तिकाल का सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक संदर्भ और भक्ति आन्दोलन, भक्तिकाल की विभिन्न धाराएँ और प्रवृत्तियाँ।

छ) रीतिकाल की परिस्थितियाँ, काल–सीमा और नामकरण, प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवि–श्रेणियाँ और उनकी प्रवृत्तियाँ।

ज) भारतेन्दु युग– प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और प्रवृत्तियाँ।

झ) द्विवेदी युग– प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएं।

ञ) हिन्दी स्वच्छन्दतावादी चेतना का विकास– छायावादी काव्य–प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

ट) छायावादोत्तर काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ– प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता।

ठ) हिन्दी की प्रमुख गद्य विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, एकमंकी, निबन्ध एवं आलोचना) का विकास एवं प्रवृत्तियाँ।

2. साहित्यिक निबन्ध :

हिन्दी साहित्य के इतिहास की विभिन्न प्रवृत्तियों, हिन्दी के विशिष्ट रचनाकारों, समीक्षकों, समीक्षा सिद्धान्तों, साहित्य और भाषा की विशिष्ट समस्याओं से सम्बद्ध निबन्ध पूछे जायेंगे।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।
3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–1,2) : पं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल प्रयाग।
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, (1600 से 1800) प्र0 लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्री कृष्ण लाल, प्र0 हिन्दी परिषद्, प्रयाग।
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं0 डा0 नगेन्द्र।
11. हिन्दी गद्यशैली का विकास : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद वर्मा, ना0प्र0 सभा, वाराणसी।
12. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. साहित्यिक निबंध–डॉ0 त्रिभुवन सिंह तथा डॉ0 विजय बहादुर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

चतुर्थ प्रश्न पत्र–वैकल्पिक (विशेष अध्ययन)

टिप्पणी :

इस प्रश्न पत्र में आदि काव्य, संतकाव्य सगुण भक्ति काव्य, रीति काव्य, समकालीन काव्य, आधुनिक कथा साहित्य, लोक साहित्य तथा प्रयोजन मूलक हिन्दी (केवल संस्थागत छात्रों के लिए), भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रेमचंद, प्रसाद, निराला के अध्ययन की व्यवस्था है। परीक्षार्थी इन्हीं वर्गों में से कोई एक वर्ग विभागाध्यक्ष की अनुमति से ले सकता है।

वर्ग (क) आदि काव्य

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

3 व्याख्या	3 X 10 = 30 अंक
2. निबन्धात्मक प्रश्न	2 X 20 = 40 अंक
5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 6 = 30 अंक

पाठ्य ग्रन्थ :

1. संदेश रासक (केवल प्रथम प्रक्रम) : अदहमाण (अब्दुल रहमान), सं0 डा0 हजारी प्रसाद द्विवेदी तथा विश्वनाथ त्रिपाठी।
2. पुरानी हिन्दी के उदाहरणांश : द्वितीय भाग (केवल प्रारम्भ से 50 दोहे तक) पं0 चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो (केवल शशिव्रता समय) : सं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, तथा डॉ0 नामवर सिंह, भारती भवन, इलाहाबाद।
4. कीर्तिलता और अवहट्ठ भाषा : डॉ0 शिवप्रसाद सिंह

सहायक ग्रन्थ :

1. अपभ्रंश व्याकरण : सालिग्राम उपाध्याय, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी।
2. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : डॉ0 नामवर सिंह।
3. कीर्तिकला और अवहट्ट : डॉ0 शिव प्रसाद सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
4. पृथ्वीराज रासो की कथानक रूढ़ियाँ : डॉ0 ब्रजविलास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. अपभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड, भारतीय साहित्य मन्दिर, दिल्ली।
6. अपभ्रंश व्याकरण : डॉ0 शिव सहाय पाठक, मध्य प्रदेश हिन्दी अकादमी, भोपाल।

वर्ग (ख) सन्त काव्य

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

3 व्याख्या	3 X 10 = 30 अंक
2. निबन्धात्मक प्रश्न	2 X 20 = 40 अंक
5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 6 = 30 अंक

पाठ्य ग्रन्थ :

1. संत काव्य संग्रह : नर्मदेश्वर चतुर्वेदी, नामदेव, कबीर (प्रारम्भ के 40 पद), रैदास, नानक, दादू दयाल, रज्जब, सुन्दर दास (छोटे तथा पल्टू साहब) लोक भारती, इलाहाबाद।

सहायक ग्रन्थ :

1. उत्तर भारत की सन्त परम्परा : प्र0 परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, प्रयाग।
2. मध्यकालीन धर्म साधना : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, ग्रन्थालंकार कार्यालय, मुम्बई।
3. कबीर रत्नमाला : श्री पुरुषोत्तम लाल श्रीवास्तव, साहित्य कार्यालय, काशी।
4. मध्यकालीन संत साहित्य : डॉ0 रामखेलावन पाण्डेय, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
5. कबीर साहित्य की परख : पं0 परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, प्रयाग।
6. कबीर और कबीर पंथ : डॉ0 केदारनाथ द्विवेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
7. कबीर की विचारधारा : डॉ0 योगेन्द्र कंसल, संत रैदास, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।
8. नानक वाणी : जयराम मिश्र, इलाहाबाद।
9. दादूदयाल : जीवन, दर्शन काव्य : डॉ0 सत्यनारायण उपाध्याय, प्रभात कुमार उपाध्याय, कलकत्ता।
10. संत कवि दादू और उनका पंथ : डॉ0 वासुदेव शर्मा, शोध प्रबन्ध प्रकाशन, दिल्ली।
11. संत कवि दादू और उनका काव्य : भगवान व्रत मिश्र, दिनेश प्रकाशन कुटीर, अलीगढ़।
12. अपभ्रंश और हिन्दी में जैन रहस्यवाद : डॉ0 वासुदेव सिंह, समकालीन प्रकाशन, वाराणसी।
13. कबीर वाङ्मय (भाग– 1,2,3) : डॉ0 जयदेव सिंह तथा डॉ0 वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

14. संत कवि रज्जब : सम्प्रदाय और साहित्य : ब्रजलाल वर्मा, प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर।
15. सुन्दर विलास : सं0 डॉ0 किशोरी लाल गुप्त, कल्याण दास एण्ड बदर्स, वाराणसी।
16. हिन्दी के निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि : डॉ0 गोविन्द त्रिगुणायत, प्र0 साहित्य निकेतन, कानपुर।
17. संत साहित्य की परख : पं0 परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
18. संत मत : डॉ0 प्रताप सिंह चौहान, ग्रन्थम, कानपुर।
19. संत साहित्य, पुनर्मूल्यांकन : डॉ0 राजदेव सिंह, आर्य बुक डिपो0 दिल्ली।

वर्ग (ग) सगुण भक्ति काव्य

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

3 व्याख्या	3 X 10 = 30 अंक
2. निबन्धात्मक प्रश्न	2 X 20 = 40 अंक
5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 6 = 30 अंक

पाठ्य ग्रन्थ :

1. विनय पत्रिका (71वें पद से 120 पद तक) : गोस्वामी तुलसीदास : गीता प्रेस गोरखपुर।
2. गीतावली– अयोध्याकाण्ड : गीता प्रेस, गोरखपुर।
3. संक्षिप्त सूरसागर : सं0डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, (प्रारम्भ के 50 पद), इलाहाबाद।
4. ब्रजमाधुरी सार : सं0वियोगी हरि (नन्ददास, परमानन्ददास, कुंभनदास, रसखान, नागरी दास) हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

सहायक ग्रन्थ :

1. तुलसी संदर्भ और दृष्टि : सं0 डॉ0 केशव प्रसाद सिंह एवं डा0 वासुदेव सिंह।
2. सगुण काव्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ0 रामनरेश वर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. तुलसी काव्य मीमांसा : डॉ0 उदयभानु सिंह।
4. तुलसी के भक्त्यात्मक गीत : डॉ0 वचनदेव कुमार।
5. तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
6. राम काव्य : अनुसंधान एवं अनुचिंतन : डॉ0 भगवती प्रसाद सिंह।
7. हिन्दी साहित्य का अतीत (प्रथम भाग), पं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
8. सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी।
9. नन्ददास और उनका भ्रमरगीत : डा0 स्नेहलता श्रीवास्तव।
10. अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय : डॉ0 दीनदयाल गुप्त।
11. कृष्ण भक्ति काव्य : डा0 जगदीश गुप्त।
12. कृष्ण भक्ति काव्य में सखि भाव : श्री शरण बिहारी शुक्ल।
13. श्रीहित हरिवंश सम्प्रदाय और साहित्य : ललित चरण गोस्वामी।
14. अष्टछाप परिचय : प्रभुदयाल मित्तल।
15. मानस अनुशीलन : सं0 शम्भूनाथ चौबे, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
16. तुलसी साहित्य में बिम्बयोजना, डॉ0 मुनीन्द्र तिवारी, काशी विद्यापीठ, वाराणसी।

वर्ग (घ) रीति काव्य

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

3 व्याख्या	3 X 10 = 30 अंक
2. निबन्धात्मक प्रश्न	2 X 20 = 40 अंक
5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 6 = 30 अंक

पाठ्य ग्रन्थ :

1. जगद् विनोद : पद्माकर, सं0पं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
2. रीति काव्य सार संग्रह : सं. डॉ0 रामकुंवर राय, अमृत प्रकाशन, ईश्वरगंगी, वाराणसी।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. रीति काव्य की भूमिका : डा0 नगेन्द्र, गौतम बुक डिपो, दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य का वृहत् इतिहास : सं0 डा0 नगेन्द्र, खण्ड–6, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. रीति काव्य : डा0 जगदीश गुप्त, प्र0 बासमती प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. चिंतामणि, कुलपति एवं श्रीपति का तुलनात्मक अनुशीलन : डा0 रामकुंवर राय, सावित्री प्रकाशन, वाराणसी।
5. देव और उनकी कविता : डा0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग–2 : सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी।
7. मतिराम : कवि और आचार्य : डा0 महेन्द्र कुमार।
8. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना : डा0 बच्चन सिंह, प्र0 नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
9. मतिराम ग्रन्थावली : सं0 पं0 कृष्णबिहारी मिश्र, प्र0 नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
10. महाकवि मतिराम और मध्यकालीन हिन्दी कविता : डा0 त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
11. हिन्दी रीति साहित्य : डा0 भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. रीतिकालीन कवियों का काव्य : डा0 महेन्द्र कुमार।

वर्ग (ङ) समकालीन काव्य

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

3 व्याख्या	3 X 10 = 30 अंक
2. निबन्धात्मक प्रश्न	2 X 20 = 40 अंक
5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 6 = 30 अंक

पाठ्य ग्रन्थ :

1. अंधायुग : डॉ0 धर्मवीर भारती।
2. समकालीन प्रतिनिधि कवि और उनकी कविताएं।

सहायक ग्रन्थ :

1. नई कविता का प्रतिमान : लक्ष्मीकान्त वर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. नई कविता का परिप्रेक्ष्य : डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव।
3. प्रयोगवाद और नई कविता : डॉ0 शम्भूनाथ सिंह।
4. कविता के नये प्रतिमान : डा0 नामवर सिंह।
5. हिन्दी नवगीत का संक्षित इतिहास : डा0 अवधेश नारायण मिश्र, आर्यभाषा संस्थान, वाराणसी।
6. नवगीत दशक : सं0 डा0 शम्भूनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. हिन्दी साहित्य का नया परिप्रेक्ष्य : स0 ही0 वात्स्यायन अज्ञेय।
8. नई कविता और उनका मूल्यांकन : डा0 सुरेश चन्द्र सहल।
9. आधुनिक कविता की प्रवृत्तियाँ : डा0 नामवर सिंह।
10. समसामयिक हिन्दी साहित्य : सं0 डा0 नरेन्द्र।
11. साक्षात् त्रिलोचन : सं0 कमलाकान्त द्विवेदी, सिद्धार्थ प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. नया हिन्दी काव्य और विवेचना : डा0 शम्भूनाथ चतुर्वेदी, प्र0 नन्दकिशोर एण्ड सन्स, वाराणसी।
13. प्रगतिवाद : डा0 विजय शंकर मल्ल।
14. हिन्दी साहित्य का आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय, ने0प0 हाउस, दिल्ली।
15. लघु मानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस : विजदेव नारायण शाही।
16. नई कविता का आत्म संघर्ष : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. समकालीन कविता की भूमिका : विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, मैकमिलन, दिल्ली।
18. नये साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. हिन्दी नवगीत : सार्थक कृतियाँ : डॉ0 अवधेश नारायण मिश्र, आर्यभाषा संस्थान, वाराणसी।
20. जनवादी समझ और साहित्य : डॉ0 रामनारायण शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
21. नागार्जुन की काव्य यात्रा : डॉ0 रतन कुमार पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
22. डॉ0 धर्मवीर भारती : व्यक्ति और साहित्यकार, पुष्पा भाष्कर, अलका प्रकाशन, कानपुर।
23. धूमिल और उनका काव्य संघर्ष–डॉ0 ब्रह्मदेव मिश्र, लोक भारती, इलाहाबाद।
24. सर्वेश्वर का साहित्य–डॉ0 श्रद्धानन्द, अमृत प्रकाशन, वाराणसी।

वर्ग (च) आधुनिक कथा साहित्य

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

3 व्याख्या	3 X 10 = 30 अंक
2. निबन्धात्मक प्रश्न	2 X 20 = 40 अंक
5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 6 = 30 अंक

पाठ्य ग्रन्थ :

1. रंगभूमि : प्रेमचंद।
2. बाणभट्ट की आत्मकथा : पं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी।
3. मैला आंचल : फणीश्वर नाथ रेणु।
4. गिरमिटिया गांधी (छात्र सं.) गिरिराज किशोर।
5. महाभोज : मन्नू भण्डारी।
6. जिन्दगी नामा : कृष्णा सोबती।
7. प्रतिनिधि कहानियाँ : डॉ0 बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
   (व्याख्या– रंगभूमि, बाणभट्ट की आत्मकथा मैला आंचल, प्रतिनिधि कहानियाँ)

सहायक ग्रन्थ :

1. कहानी का रचना विधान : डा0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
2. आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी।
3. प्रेमचन्द और उनका युग : डा0 रामविलास शर्मा।
4. प्रेमचन्द का विवेचन : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान।
5. आधुनिक कथा साहित्य और मनोविज्ञान : डा0 देवराज।
6. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद : डा0 त्रिभुवन सिंह।
7. हिन्दी उपन्यास साहित्य में आदर्शवाद : डा0 सर्वजीत राय।
8. आधुनिक कहानी का परिपार्श्व : डा0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय।
9. टूटते हुए गांव का दस्तावेज, लोक ऋण, वनगंगी मुक्त है, सं0 डा0 सर्वजीत राय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।

वर्ग (छ) लोक साहित्य

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

4 निबन्धात्मक प्रश्न	4 X 20 = 80 अंक
4 लघु उत्तरीय प्रश्न	4 X 5 = 20 अंक

पाठ्य ग्रन्थ :

1. लोक साहित्य की परिभाषा : क्षेत्र और लोकवार्ता (लोक संस्कृति) और नागर साहित्य मे अन्तर (लोक साहित्य के प्रमुख संग्रहकर्ता भोजपुरी और लोक साहित्य की प्रमुख विशेषताए।)
2. लोक साहित्य का वर्गीकरण : विभिन्न विद्वानों द्वारा किये गये वर्गीकरण का परिचय। प्रमुख भेद : (क) लोक गीत, (ख) लोक कथा (ग) लोक नाट्य (घ) लोक सुभाषित (ङ) लोक पहेली।
3. लोक गीत के विभिन्न रूपों का सोदाहरण विवेचन : (क) संस्कार गीत, (ख) ऋतु एवं उत्सव गीत (ग) व्रत गीत, जाति गीत।
4. लोक कथा के विभिन्न रूप– वर्गीकरण और उदाहरण सहित विश्लेषण : लोकगीत, लोक गीत और लोक कथा में अन्तर, भोजपुरी और अवधी क्षेत्र की प्रमुख लोक गाथाओं का परिचय।
5. लोक कथा के विभिन्न रूपों का सोदाहरण विवेचन : वस्तु एवं शैली के आधार पर वर्गीकरण।
6. लोक नाट्य के विभिन्न भेद : भोजपुरी और अवधी क्षेत्रों के प्रमुख नाटक।
7. लोक सुभाषित की परम्परा और भेद, सोदाहरण विवेचन।
8. लोक पहेलियाँ, स्वरूप, भेद और महत्त्व।
9. लोक साहित्य का सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्त्व।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. लोक साहित्य विज्ञान : डा0 सत्येन्द्र।
2. लोक साहित्य विमर्श : डा0 श्याम परमार।
3. लोक साहित्य और संस्कृति : डा0 दिनेश्वर प्रसाद।
4. लोक साहित्य के प्रतिमान : डॉ0 कुन्दन लाल उप्रेती, ना0प्र0स0 काशी।
5. लोक जीवन और साहित्य : डा0 रामविलास शर्मा।

6. हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास, 16वाँ भाग : डा0 कृष्णदेव उपाध्याय।
7. भारतीय लोक साहित्य : डा0 श्याम परमार।
8. अवधी का लोक साहित्य : डा0 सरोजनी रोहतगी।
9. भोजपुरी संस्कार गीत : डा0 विजय नारायण सिंह।
10. भोजपुरी लोक साहित्य का अध्ययन : डा0 कृष्णदेव उपाध्याय।
11. भोजपुरी लोक साहित्य का इतिहास : डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय।

वर्ग (ज) प्रयोजन मूलक हिन्दी

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

4 निबन्धात्मक प्रश्न 4 X 20 = 80 अंक

4 लघु उत्तरीय प्रश्न 4 X 5 = 20 अंक

पाठ्य ग्रन्थ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी, परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र।
2. मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिन्दी– बोलचाल की सामान्य हिन्दी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, मानक हिन्दी, साहित्य, संविधान में हिन्दी।
3. हिन्दी भाषा की सामाजिक शैलियाँ–
   हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी, मौलिक और लिखित हिन्दी, मानक हिन्दी की संकल्पना, हिन्दी का मानकीकरण।
4. हिन्दी के प्रयोग–क्षेत्र –
   भाषा– प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ताक्षेत्र, वार्ता– प्रकार और वार्ता शैली के आधार पर हिन्दी के प्रमुख प्रवृत्ति क्षेत्र, साहित्यिक हिन्दी बनाम प्रयोजन मूलक हिन्दी का प्रयोजन एवं उसकी उपयोगिता।
5. प्रयोजन मूलक हिन्दी के मुख्य आयाम– ज्ञान साहित्य की हिन्दी, कार्यालयीय हिन्दी, वैज्ञानिक हिन्दी, वृत्तिपरक हिन्दी, व्यावहारिक हिन्दी, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी हिन्दी।
6. भाषा व्यवहार–
   सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा–लेखन, सरकारी व्यावसायिक हिन्दी में सार–लेखन, हिन्दी में पारिभाषिक शब्द–निर्माण की प्रवृत्तियाँ, विज्ञान प्रस्तुति, वृत्तिपरक लेखन।
7. अनुवाद–
   स्वरूप एवं व्यापक संदर्भ, अनुवाद–प्रक्रिया, अनुवाद प्रकरण, अनुवाद की सीमाएं, अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डा0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग : डॉ0 रामप्रकाश एवं डा0 दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी : डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त एवं व्यवहार : रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।
5. प्रशासन में राजभाषा हिन्दी : डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. व्यावसायिक हिन्दी : डॉ0 दिलीप सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. कार्यालय कार्यविधि : रामचन्द्र सिंह 'सागर' आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।
8. विधिकार्य निर्देशिका : सं0 डा0 नारायण दत्त पालीवाल एवं चन्द्रभान गर्ग, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. राजभाषा सहायिका : अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
10. प्रशासनिक पत्राचार : सं0 सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
11. प्रशासनिक कामकाजी शब्दावली : डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. हिन्दी का सामाजिक संदर्भ : सं0 डा0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं डा0 रमानाथ सहाय, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
13. व्यावहारिक हिन्दी रचना : कृष्ण कुमार गोस्वामी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. अनुवाद विज्ञान : सं0 डा0 नगेन्द्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, नई दिल्ली।
15. अनुवाद : सिद्धान्त और समस्याएँ : सं0 डा0 रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव तथा कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
16. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा : डा0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

17. अनुवाद विज्ञान : डा0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, नई दिल्ली।
18. अनुवाद कला : डा0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, नई दिल्ली।
19. अनुवाद विज्ञान : सं0 डा0 बालेन्दु शेखर तिवारी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
20. कार्यालयीय अनुवाद की समस्याएं : सं0 डा0 भोलानाथ तिवारी एवं अन्य–शब्दकार, दिल्ली।

वर्ग (झ) भारतेन्दु

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

4 आलोचनात्मक प्रश्न 4 X 20 = 80 अंक

4 लघु उत्तरीय प्रश्न 4 X 5 = 20 अंक

पाठ्य ग्रन्थ :

1. भारतेन्दु के निबन्ध : सं0 डॉ0 केशरीनारायण शुक्ल, प्रकाशन, सरस्वती मन्दिर, वाराणसी।
2. भारतेन्दु ग्रन्थावली भाग–1, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (भारत दुर्दशा, वैदिकी हिंसा, हिंसा न भवति, नीलदेवी, चन्द्रावली)
3. भारतेन्दु ग्रन्थावली भाग–2 नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (प्रेममालिका, प्रेम सरोवर, प्रेम माधुरी, प्रेमाश्रुवर्षन, प्रेम प्रलाप, कृष्ण चरित्र माला)।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. भारतेन्दु और उनके सहयोगी : डा0 किशोरी लाल गुप्त, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।
2. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा : डा0 राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. पत्र–पत्रिकाओं का इतिहास : डा0 रामरतन भटनागर।
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य : डा0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद्, प्रयाग।
5. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : डा0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

वर्ग (ञ) प्रेमचंद

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

4 आलोचनात्मक प्रश्न 4 X 20 = 80 अंक

4 लघु उत्तरीय प्रश्न 4 X 5 = 20 अंक

पाठ्यांश :

उपन्यास : 1. सेवा सदन, 2. प्रेमाश्रम, 3. रंगभूमि, 4. कर्मभूमि

नाटक : कर्बला।

निबंध : साहित्य का उद्देश्य, (सं0 सत्य प्रकाष मिश्र), लोक भारती, इलाहाबाद।

कहानियाँ : कफन, पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, नशा, सवा सेर गेहूँ, सदगति, मनोवृत्ति, ठाकुर का कुंआ, रामलीला, पंचपरमेश्वर, ईदगाह, लाटरी, दूध का दाम, दो बैलों की कथा।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. प्रेमचंद–घर में : शिवरानी देवी।
2. प्रेमचंद : एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान।
3. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा।
4. प्रेमचंद : कलम का सिपाही : अमृतराय।
5. प्रेमचंद : मदन गोपाल।
6. प्रेमचंद : जीवन,कला एवं कृतित्व : हंसराज रहबर।
7. प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन : नंदुलारे वाजपेयी।
8. कथाकार प्रेमचंद : मन्मथनाथ गुप्त।
9. प्रेमचंद : एक अध्ययन : राजेश्वर गुरु।
10. प्रेमचंद की उपन्यास कला : जनार्दन प्रसाद राय।
11. प्रेमचंद एवं भारतीय किसान : रामवृक्ष।
12. प्रेमचंद : गंगा प्रसाद विमल।
13. प्रेमचंद के साहित्य सिद्धान्त : नरेन्द्र कोहली।

14. प्रेमचंद : एक कला व्यक्तित्व : जैनेन्द्र।
15. प्रेमचंद स्मृति : सं0 अमृतराय।
16. प्रेमचंद : चिन्तन और कला : सं0 इन्द्रनाथ मदान।
17. प्रेमचंद और गोर्की : श्री मधु, प्रगति प्रकाशन, मास्को।
18. हिन्दी उपन्यास : विशेषतः प्रेमचन्द : नलिन विलोचन शर्मा।

वर्ग (ट) जयशंकर 'प्रसाद'

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

4 आलोचनात्मक प्रश्न 4 X 20 = 80 अंक

4 लघु उत्तरीय प्रश्न 4 X 5 = 20 अंक

पाठ्यांश :

1. आँसू (सम्पूर्ण)
2. लहर– (प्रलय की छाया, अशोक की चिन्ता, पेशोला की प्रतिध्वनि, शेरसिंह का शस्त्र–समर्पण)
3. स्कन्दगुप्त।
4. अनमेजय का नागयज्ञ।
5. कामना।
6. ध्रुवस्वामिनी।
7. कंकाल।
8. तितली।
9. कहानी : पुरस्कार, देवदासी, बिसाती, आंधी, मधुआ, पुरस्कार, आकाशदीप, सलीम, देवरथ।
10. काव्य कला तथा अन्य निबन्ध।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. जयशंकर प्रसाद : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।
2. नया साहित्य : नये प्रश्न : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, मैकमिलन, नई दिल्ली।
3. जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला : डॉ0 रामेश्वर खण्डेलवाल।
4. प्रसाद और उनका साहित्य : विनोद शंकर व्यास।
5. प्रसाद का काव्य : डॉ0 प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
6. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
7. प्रसाद का जीवन और साहित्य : डॉ0 रामरतन भटनागर।
8. हिन्दी नाटक : डॉ0 बच्चन सिंह।
9. प्रसाद का गद्य साहित्य : डॉ0 राजमणि शर्मा।
10. प्रसाद : दुखान्त नाटक : रामकृष्ण शुक्ल श्रीमुख।

वर्ग (ठ) निराला

अंक विभाजन : पूर्णांक : 100

4 आलोचनात्मक प्रश्न 4 X 20 = 80 अंक

4 लघु उत्तरीय प्रश्न 4 X 5 = 20 अंक

पाठ्यांश :

काव्य : 1. अनामिका, 2. गीतिका, 3. तुलसीदास, 4. नये पत्ते

कथा साहित्यः 1. बिल्लेसुर बकरिहा, 2. कुल्ली भाट, 3. चतुरी चमार, 4. देवी।

निबन्ध : प्रबन्ध प्रतिमा।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. निराला की साहित्य साधना– भाग–1,2,3 : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली।
2. निराला का आत्महन्ता आस्था : दूधनाथ सिंह, लोकभारती , इलाहाबाद।
3. क्रान्तिकारी कवि निराला : डॉ0 बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. निराला के पत्र : जानकी वल्लभ शास्त्री।
5. महाकवि निराला : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।
6. निराला : डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
7. छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली।
8. नवजागरण और छायावाद : डॉ0 महेन्द्र राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

पंचम प्रश्न पत्र : हिन्दी पत्रकारिता

अंक विभाजन : पूर्णांक : 75

3 आलोचनात्मक प्रश्न 3 X 15 = 45 अंक

5 लघु उत्तरीय प्रश्न 5 X 6 = 30 अंक

(क)

1. पत्रकारिता की अवधारणा, पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार, पत्रकारिता के उद्देश्य।
2. पत्रकारिता के मूल तत्व।
3. संपादन कला के सामान्य सिद्धान्त।
4. भेंटवार्ता के प्रकार तथा उनकी प्रविधि।
5. पत्रकारिता की आधुनिक विधायें– खोजी एवं विश्लेषणात्मक पत्रकारिता, फीचर लेखन एवं विशेषीकृत पत्रकारिता।
6. रिपोर्टिंग और सम्पादन की प्रक्रिया तथा विविध आयाम।
7. इलेक्ट्रानिक माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता।
8. सूचना और कानून
   - श्रमजीवी पत्रकार कानून।
   - प्रेस कमीशन 1 तथा 2
   - प्रेस स्वतंत्रता सम्बन्धी अद्यतन कानून।
   - प्रसार भारती।

(ख)

1. हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।
2. हिन्दी के प्रमुख पत्र उदन्त मार्तण्ड, कविवचन सुधा, हिन्दी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती, कर्मवीर, प्रताप, हंस, माधुरी, मतवाला।
3. प्रमुख सम्पादक : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, पं0 युगल किशोर सुकुल, बालकृष्ण भट्ट, पं0 माधव प्रसाद मिश्र, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबूराव, विष्णुराव पराड़कर, गणेश शंकर विद्यार्थी, अज्ञेय, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती।
4. हिन्दी साहित्यिक पत्रकारिता।
5. हिन्दी पत्रकारिता के वर्तमान संदर्भ, प्रवृत्तियाँ और समस्यायें।
6. हिन्दी पत्रकारिता के विकास की समस्याएँ।

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी पत्रकारिता, विविध आयाम : डॉ0 वेद प्रताप वैदिक, ने0प0 हाउस, नई दिल्ली।
2. हिन्दी पत्रकारिता : आलोचनात्मक इतिहास, डॉ0 रमेश कुमार जैन।
3. हिन्दी पत्रकारिता : डॉ0 रमेश चन्द्र त्रिपाठी।
4. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता : डॉ0 अर्जुन तिवारी, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास : डॉ0 अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. इतिहास निर्माता पत्रकार : डॉ0 अर्जुन तिवारी।
7. समाचार पत्र और सम्पादन कला : अम्बिका प्रसाद बाजपेयी।
8. पत्रकारिता के विविध संदर्भ : डॉ0 बंशीधर लाल।
9. संवाद और संवाददाता : डॉ0 राजेन्द्र।
10. समाचार संकलन तथा सम्पादन : डॉ0 रमेश जैन।
11. पत्रकारिता जनसंचार सिद्धान्त एवं व्यवहार : सं0 डा0 बलदेव राजगुप्त तथा पुरुषोत्तम, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
12. लोक सम्पर्क ; राजेन्द्र, हरियाणा हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, चण्डीगढ़।
13. समकालीन पत्रकारिता : सं0 राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. जनसंचार विविध आयाम : बृजमोहन गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. हिन्दी पत्रकारिता : डॉ0 कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
16. हिन्दी पत्रकारिता के युग निर्माता : डॉ0 लक्ष्मीशंकर व्यास, व्यास प्रकाशन, वाराणसी।
17. पत्रकारिता के विविध रूप : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
18. प्रेस विधि : डॉ0 नन्दकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
19. भारत में प्रेस कानून और पत्रकारिता : गंगा प्रसाद, ठाकुर म0प्र0 हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।

षष्ठ प्रश्न–पत्र : मौखिकी

(पूर्णांक : 25 अंक)